

Shri G. B. Pant: The jurisdiction, as proposed by the Jammu and Kashmir Government, will, I hope, be extended by the 26th January, 1960.

Shri Tangamani: May I know whether the delay is due to the fact that a protest was lodged by the Pakistan Government about the extension of the jurisdiction of the Supreme Court and the Election Commission to Jammu and Kashmir?

Shri G. B. Pant: I am not aware of any such protest by the Pakistan Government.

Shri Tangamani: Are Government aware that there was a protest lodged in the Security Council, and the Government of India have replied to that protest?

Shri G. B. Pant: That may be so. But the original date fixed for the extension of these provisions was the 26th January, 1960, and we are sticking to that date.

Shri Harish Chandra Mathur: May I know at what stage the proposal lies at present? When the hon. Minister says that the position would be just as stated in the question, do I take it that henceforth, from 26th January, 1960, the State of Jammu and Kashmir would be absolutely on par with the other States of India?

Shri G. B. Pant: Well, that will be so, so far as the High Courts are concerned. The salaries and the conditions of service of the judges of the High Courts will be on a par with those received by them or enjoyed by them in other States. With regard to other provisions too, there will be a marked change as compared with the present position.

विश्वविद्यालयों में चलचित्र क्लब

+
*श्री भक्त बंशान :
*७०४. { श्री दी० चं० शर्मा :
 { श्री दामिनी :

क्या शिक्षा मंत्री ११ सितम्बर, १९५९

के तारांकित प्रश्न संख्या १३८२ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विश्वविद्यालयों में चलचित्र क्लब स्थापित करने की योजना के बारे में अब तक क्या प्रगति हुई है; और

(ख) इस योजना पर अब तक क्या व्यय हुआ है ?

शिक्षा मंत्री (डा० का० ला० श्रीमानी) :
(क) और (ख), मांगी गयी सूचना का विवरण नीचे दिया गया है ।

विवरण

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अन्तिम रूप से अनुमोदित विश्वविद्यालयों में "फ़िल्म क्लब" शुरू करने की योजना को सभी विश्वविद्यालयों में भेजा गया ताकि वे इस पर अपनी राय दे सकें । आयोग को जो उत्तर मिला उनसे पता चला कि सिर्फ़ छह ही विश्वविद्यालय इस योजना को चलाने के लिये तैयार हैं । चूंकि बच्चों की फिल्म सभा के मूल प्रस्ताव को किफ़ायत के साथ अमल में लाने के लिये आवश्यक था कि इसमें कम से कम २५ विश्वविद्यालय भाग लें, इसलिये उस पर अमल नहीं किया जा सका और यह योजना भी आगे नहीं बढ़ायी जा सकी । अतः कुछ भी व्यय नहीं हुआ है । आयोग ने "बच्चों की फिल्म सभा", नई दिल्ली, को इस स्थिति के बारे में सूचित किया और उनसे पूछा कि क्या वह कोई ऐसी संशोधित योजना बता सकती है जिसे उन विश्वविद्यालयों में लागू किया जा सके जो इस योजना में भाग लेने के इच्छुक हों । आयोग को सभा से जो संशोधित योजना प्राप्त हुई है उसे उन १३ विश्वविद्यालयों में भेजा गया है जो मूल प्रस्ताव के अनुसार विश्वविद्यालय फिल्म क्लब आरम्भ करने के लिये सहमत थे ।

श्री भक्त बंशान : श्रीमन, इस विवरण में ज्ञात होता है कि जो पहली योजना थी,

उससे केवल १३ विश्वविद्यालयों ने सहमति प्रकट की थी। मैं जानना चाहता हूँ कि नई संशोधित योजना में और पहली योजना में क्या अन्तर है ?

डा० का० सा० श्रीमाली : जो नई योजना है उसमें कुछ कम खर्च होगा।

श्री भक्त बर्षन : मैं जानना चाहता हूँ कि जबकि यूनिवर्सिटियों के छात्रों में सिनेमा का शौक पहले से ही मौजूद है और यहां तक मौजूद है कि क्लासेस को छोड़ करके भी फिल्में देखने के लिये चले जाने की शिकायतें मिलती हैं, तब फिर ये फिल्में दिखाने का उद्देश्य क्या है ?

डा० का० सा० श्रीमाली : यह सब है कि नौजवान लड़कों की फिल्में देखने का बहुत शौक है। लेकिन इन फिल्म क्लबों का काम यह होगा कि उम्र तरह की फिल्में लड़कों को दिखाई जाएं जो शिक्षा की दृष्टि में उपयोगी हों। इस तरह की फिल्में तैयार होती हैं और तैयार की जा सकती हैं। इन फिल्म क्लबों का काम यह होगा कि अच्छी, उपयोगी, शिक्षाप्रद फिल्मों को चुना जाए और उन्हीं को लड़कों को दिखाया जाए।

Shri Damani : May I know whether this scheme is going to be extended to colleges which are affiliated to the universities?

Dr. K. L. Shrimali : Yes, all the universities which are voluntarily willing to participate in this scheme will be admitted.

सेठ गोविन्द दास : जहां तक एम। फिल्मों का सम्बन्ध है, क्या सरकार को इस प्रकार की फिल्म तैयार करने के सम्बन्ध में कोई सूचना है कि कितनी तैयार हो रही हैं, और क्या सरकार स्वयं भी इस तरह की फिल्म तैयार करा रही है ? यदि तैयार करा रही है तो कितनी तैयार हुई हैं ?

डा० का० सा० श्रीमाली : जी नहीं, फिल्म तैयार कराने का काम एजुकेशन,

मिनिस्ट्री का नहीं है, दूसरी मिनिस्ट्री का है और इसके ऊपर बराबर सरकार का ध्यान है। अच्छी फिल्में भी तैयार की जाती हैं और इन्फार्मेशन एण्ड बाइकार्स्टिंग मिनिस्ट्री भी इस के बारे में कुछ काम कर रहा है। अच्छी फिल्में चुनी जाएंगी और देश से और विदेशों से शिक्षा की दृष्टि से जो भी अच्छी फिल्में होंगी, उनको लाया जायेगा।

Shri Punnoose : The statement says that the minimum number of Universities necessary to work the scheme has not come up. May I know what are the specific difficulties pointed out by the other Universities?

Dr. K. L. Shrimali : I expect the difficulty is mainly financial. 13 Universities have already agreed to participate in the scheme, and I hope in course of time the other Universities will also fall in line. The University Grants Commission will give some assistance also in this matter.

डा० सुगीता नायर : अच्छी फिल्में बनेगी और इग के लिये प्रयत्न हो रहा है लेकिन मैं यह जानना चाहती हूँ कि इस काम के अन्तर्गत खराब फिल्में लड़कों बच्चों को न दिखाई जायें, इसके बारे में भी शिक्षा मंत्रालय कोई कदम उठा रहा है ?

डा० का० सा० श्रीमाली : जी हा, मंत्रालय का यह काम है कि अच्छी फिल्में दिखा कर खराब फिल्मों को यहां से हटाया जाय। मैं समझता हूँ कि इसका एक यह भी तरीका है। अच्छी चीज अगर हमारे सामने हैं तो खराब चीज अपने आप गायब हो जाती है। Ordinarily, when good things are before us, they drive out bad things. Since we are putting up good films before children, I have no doubt that the bad films will disappear.

श्री कीरोज गांधी : क्या माननीय मंत्री जी यह बतला सकते हैं कि उनके सामने

कोई ऐसी योजना है जिससे जनता को यह समझाया जा सके कि सरकारी काम किस तरीके से चलता है ? जनता की समझ में आये कि सरकारी दफ्तरों और मिनिस्ट्रों का काम किस तरीके से होता है ।

डा० का० ला० श्रीमाली : इस प्रश्न का सम्बन्ध तो मेरी मिनिस्ट्री से नहीं है ।

Shri Supakar: Is there any training programme to produce good film stars out of the Universities?

Mr. Speaker: Next question.

Manufacture of Avro 748 Aircrafts

705. +
- Shri S. M. Banerjee:
 - Shri Panigrahi:
 - Shri D. C. Sharma:
 - Shri Morarka:
 - Dr. Ram Subhag Singh:
 - Shri Madhusudan Rao:
 - Shri Vidya Charan Shukla:
 - Shri Kalika Singh:
 - Shri Ajit Singh Sarhadi:
 - Shri Mohan Swarup:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the progress made in the manufacture of Avro 748 in Kanpur;

(b) the foreign exchange component of the entire cost of the Project; and

(c) the annual amount that would be payable to M/s Hawker Siddeley Group as royalties after the manufacture of the first 100 aircrafts?

The Deputy Minister of Defence (Sardar Majithia): (a) A number of Indian technicians have been trained in the United Kingdom in the manufacture of AVRO 748. Necessary equipment and machinery are being procured and facilities are being provided for the manufacture of the AVRO 748 at Kanpur.

(b) The foreign exchange expenditure on the purchase of plant, machinery, tools, jigs, fixtures, etc., for

series production, training of personnel, technical assistance and the manufacture of one prototype 'AVRO 748' is estimated at Rs. 72.00 lakhs. Further expenditure will depend on the numbers of aircraft to be produced.

(c) It is not in the public interest to disclose details of the agreement with the foreign firm.

Shri S. M. Banerjee: May I know when production is likely to start at Kanpur, and what is the employment potential after the factory starts production?

Sardar Majithia: The first prototype in India is expected to be ready by the end of 1960. As regards the employment potential, most of the people will be from the Air Force and very few from outside.

Dr. Ram Subhag Singh: May I know whether this aircraft has been successfully used in the United Kingdom? Also, is the Kanpur firm going to be a purely assembly firm? If so, why were not the services of Hindustan Aircraft Limited at Bangalore utilised for this purpose?

Shri Narayanankutty Menon: This was answered in detail last time.

Mr. Speaker: Yes.

Sardar Majithia: Do you want me to reply to the question, Sir?

Dr. Ram Subhag Singh: This was never discussed, that is, whether this aircraft has been successfully tested and used.

Mr. Speaker: It was also discussed. It was said that no other factory had produced this aircraft. There was a one-hour discussion on it here. The hon. Member was not here at that time. It was stated that the aircraft would be produced only here and not elsewhere.

Shri Thirumala Rao: In reply to a previous question, the hon. Minister was pleased to say that the first proto-type would be ready by the end